राजस्थान पत्रिका
अलवर . शुक्रवार
21.10.2011

सरसों अनुसंधान निदेशालय › 18वां स्थापना दिवस पर आयोजन

'संकर किस्मों का करें विकास'

भरतपुर

alwar@patrika.com

'वर्तमान में सरसों प्रजनन कार्यक्रम में सुधार करके उच्च उत्पादन क्षमता वाली संकर किस्मों का विकास समय की जरुरत है। आनुवांशिक रुपातंरण तकनीक के माध्यम से अधिक उपज,रोग सहनशील तथा अधिक तेल अंश वाली संकर किस्में विकसित करके तिलहन उत्पादन में क्रांति लाई जा सकती है।' यह विचार सरसों अनुसंधान निदेशालय के 18 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस के सीजीएमपी के निदेशक प्रोफेसर दीपक पेंटल ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि संकर किस्मों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए शस्य क्रियाओं में भी बदलाव करना होगा। विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, के सहायक महानिदेशक (बीज) डा. जे.एस. संधु ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में तिलहन का उत्पादन बढ़ाना जरुरी है। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र,अजमेर के निदेशक डा. एम.एम. अनवर ने,तथा निजी तथा सार्वजनिक भागदारी बढ़ाकर उत्तम गुणवत्ता का बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाने की आवश्यकता बताई। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय प्रोफेसर डा.एस.एस. बंगा ने कहा कि निदेशालय को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में अनुसंधान कार्यक्रमों का निर्धारण करना चाहिए। अखिल भारतीय राई-सरसों समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व परियोजना समन्वयक डा. जे.एस. यादव ने राई-सरसों को दक्षिण भारत में भी बढ़ावा देने पर जोर दिया। निदेशालय के निदेशक डा. जितेन्द्र सिंह चौहान ने संस्थान की प्रगति से अवगत कराया। कृषि विज्ञान केन्द्र कुम्हेर के प्रभारी डा. अमर सिंह व अन्य ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में निदेशालय के प्रकाशनों- 'सिद्धार्थः सरसों संदेश, सरसों से अधिक उत्पादन के लिए उन्नतशील कृषि विधियां' एवं 'सरसों अनुसंधान निदेशालयः एक दृष्टि में' का विमोचन किया गया।

विमोचन सरसों अनुसंधान निदेशालय में पुस्तकों का विमोचन करते अतिथि

शुभ निवेश योजना
14 माह में पायें 13.5% ब्याज
₹ 50,000 के निवेश पर
एक चाँदी का सिक्का
₹ 3,00,000 के निवेश पर
एक सोने का सिक्का
CALL : 7665007191
SAJJIVANI संजीवनी
क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.

ये हुए सम्मानित

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस पर वर्ष 2010-11 के विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए।निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डा. विजयवीर सिंह को उत्कृष्ट वैज्ञानिक का पुरस्कार प्रदान किया गया। संजय शर्मा एवं रामनारायण को उत्कृष्ट तकनीकी कर्मचारी, वीना शर्मा को उत्कृष्ट प्रशासनिक कर्मचारी तथा लालाराम को उत्कृष्ट कुशल सहायक का पुरस्कार दिया गया। राजभाषा कमेटी, क्रय समिति एवं फार्म विभाग को उत्कृष्ट टीम पुरस्कार दिया गया।

राजस्थान पत्रिका 21 अक्टूबर 2011

'समय की मांग हैं संकर किस्में'

स्थापना दिवस

सरसों अनुसंधान निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने रखे विचार

भास्कर न्यूज | भरतपुर

सरसों कार्यक्रम में सुधार करते हुए उच्च उत्पादन क्षमता वाली संकर किस्मों का विकास करना होगा। उच्च क्षमता की सरसों समय की मांग है। यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस के सीजी एमपी के निदेशक प्रोफेसर दीपक पेंटल ने दिए। वे गुरुवार को सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से आयोजित 18 वां स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

समारोह के विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डॉ. जे एस संधु थे। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर के निदेशक डॉ. एम एम अनवर ने उत्तम गुणवत्ता के बीज किसानों को उपलब्ध करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय प्रोफेसर डॉ. एस एस बंगा ने सरसों अनुसंधान निदेशालय को अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के बारे में विचार रखे। इस दौरान अखिल भारतीय राई सरसों समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व परियोजना समन्वयक डॉ जे एस यादव, निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह चौहान, डॉ. अमर सिंह, एडवांटा कंपनी के प्रतिनिधि डॉ. वीरूपाक्षा प्रगतिशील किसान हरवीर सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

भरतपुर. सरसों अनुसंधान निदेशालय के स्थापना दिवस समारोह के दौरान प्रकाशनों का विमोचन करते अतिथि।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार

समारोह के दौरान सरसों अनुसंधान निदेशालय के तीन प्रकाशनों सिद्धार्थ, सरसों संदेश, सरसों से अधिक उत्पादन के लिए उन्नत शील कृषि विधियां एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय एक दृष्टि का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया और उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। जिनमें डॉ. विजयवीर सिंह को उत्कृष्ट वैज्ञानिक का पुरस्कार प्रदान किया गया। संजय शर्मा एवं रामनारायण को उत्कृष्ट तकनीकी अधिकारी, वीना शर्मा को उत्कृष्ट प्रशासनिक कर्मचारी तथा लालाराम को उत्कृष्ट कुशल सहायक का पुरस्कार प्रदान किया गया। निदेशालय के राजभाषा कमेटी, क्रय समिति एवं फार्म विभाग को उत्कृष्ट टीम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर 21 अक्टूबर 2011

स्थापना दिवस समारोह

न्यूज सर्विस

भरतपुर, 20 अक्टूबर। सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर द्वारा गुरुवार को अपना 18वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि दिगी विश्वविद्यालय, साउथ केम्पस, के सी.जी.एम.पी., के निदेशक प्रोफेसर दीपक पेंटल ने सरसों प्रजनन में विगत 20 वर्षो की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में सरसों प्रजनन कार्यक्रम में सुधार करते हुए उगा उत्पादन क्षमता वाली संकर किस्मों का विकास करना होगा। उन्होंने कहा कि आनुवांशिक रूपांतरण तकनीक के माध्यम से अधिक उपज, रोग सहनशील प्रतिरोधी एवं अधिक तेल अंश वाली संकर किस्में विकसित करके तिलहन उत्पादन में क्रांति लायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि संकर किस्मों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए शस्य क्रियाओं में भी आवश्यकतानुसार बदलाव करना होगा और किसानों को सम्पूर्ण तकनीकी पैकेज की जानकारी के साथ बीज भी उपलब्ध करवाना होगा तभी उत्पादकता में बढोत्तरी होगी। वहीं समारोह के विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिगी के सहायक महानिदेशक डा. जे.एस. सन्धु ने इस अवसर पर राई, सरसों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें अपनी उपलब्धियों का विश्लेषण करना चाहिए। राई सरसों के उत्पादन में एक स्थिरता आ गई है और हमें राष्ट्रीय आवश्यकता का करीब आधा हिस्सा खाद्य तेलों का आयात करना पड रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में तिलहन का उत्पादन बढाना जरूरी है। समारोह के दौरान राष्ट्रीय

भरतपुर में सरसों अनुसंधान निदेशालय के स्थापना दिवस समारोह के दौरान अतिथि प्रकाशित प्रकाशनों का विमोचन करते हुए।

बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक डा. एम.एम. अनवर ने विभिन्न संस्थानों में आपसी सामन्जस्य से अनुसंधान करने तथा निजी एवं सार्वजनिक भागीदारी को बढाकर पर्याप्त मात्रा में उत्तम गुणवत्ता का बीज तैयार करके किसानों को उपलब्ध करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय प्रोफेसर डा. एस.एस. बग्गा ने कहा कि सरसों अनुसंधान निदेशालय को अंतराष्ट्रीय परिपेक्ष्य मे अपने अनुसंधान कार्यक्रमों का निर्धारण करना चाहिए। कार्यक्रम कें अतिथि अखिल भारतीय राई सरसों समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व परियोजना समन्वयक डा. जे.एस. यादव ने कहा कि वैज्ञानिकों ने राई सरसों के अनुसंधान में उल्लेखनीय कार्य किया है। डा. यादव ने इस केन्द्र की स्थापना के शुरूआती समय को याद करते हुए कहा कि बिना किसी सुविधा के यहा पर कार्य शुरू किया गया था और आज यहा पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालायें एवं सुविधाएं है। निदेशालय के निदेशक डा. जितेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र की स्थापना 20 अक्टूबर 1993 को की गई थी।

दैनिक नवज्योति 21 अक्टूबर 2011

संकर किस्मों को बढावा देने की जरूरत

भरतपुर: राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र का 18वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को दिल्ली

विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस के निदेशक प्रो. दीपक पेंटल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक निदेशक जे एस संधु उपस्थित थे।

समरोह में प्रो. दीपक पेंटल ने कहा कि सरसों का उत्पादन बढ़ाने के लिये हमें अधिक उत्पादन लेने वाली सरसों की और नई किस्में विकसित करनी होंगी।

उन्होंने कहा कि आनुवांशिक रूपांतरण तकनीक के माध्यम से अधिक उपज व रोग सहनशील शंकर किस्में विकसित करनी होंगी तथा शस्य क्रियाओं में भी बदलाव लाना होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. जे एस संधु ने राई- सरसों के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि राई व सरसों के उत्पादन में स्थिरता आ गयी है जिसके कारण खाद्य तेलों की आवश्यकता के करीब आधे हिस्से का आयात करना पड रहा है।

उन्होंने सुझाव दिया कि रोग रोधी और सूखा व खारा प्रतिरोधी किस्मों का विकास करना होगा जिसमें जैव प्रौद्योगिकी काम में लेनी होगी इस अवसर पर राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक डा. एम एम अनवर ने राष्ट्रीय संस्थानों में आपसी समन्वय व अनुसंधान में आपसी भागीदारी रखने पर जोर दिया।

पंजाब कृषि विद्यालय के प्रो. डा. एस एस बंगा ने सरसों अनुसंधान निदेशालय को अंतर्राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में अपने अनुसंधान कार्यक्रम निर्धारित करने का सुझाव दिया। जबकि अखिल भारतीय राई- सरसों समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व समन्वयक डा. जे एस यादव ने राई व सरसों के अनुसंधान में किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डा. जीतेन्द्र सिंह ने अनुसंधान केन्द्र द्वारा राई व सरसों की विकसित की गयी नई किस्मों एवं अन्य गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये बताया कि निदेशालय सरसों के उत्पादन को बढ़ाने के लिये अन्य नई किस्में विकसित कर रहा है।

इस अवसर पर सिद्धार्थ, सरसों संदेश एवं सरसों के अधिक उत्पादन के लिये उन्नतशील कृषि विधियां नामक प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में निदेशालय के कृषि वैज्ञानिक डा. विजयवीर सिंह, तकनीकी अधिकारी संजय शर्मा व रामनारायण,

सरसों अनुसंधान निदेशालय में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में अतिथि निदेशालय के प्रकाशनों का विमोचन करते हुये।

सराहनीय

- सरसों अनुसंधान केन्द्र का 18वां स्थापना दिवस आयोजित
- प्रो. पेंटल का सरसों की नई किस्म विकसित करने पर बल

प्रशासनिक कर्मचारी श्रीमती बीना शर्मा, कुशल सहायक लालाराम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

दैनिक जागरण 21 अक्टूबर 2011

सरसों की संकर किस्मों का विकास हो

अमर उजाला ब्यूरो

- सरसों अनुसंधान केंद्र का 18वां स्थापना दिवस मनाया
- तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर

भरतपुर। सरसों अनुसंधान निदेशालय सेवर भरतपुर का 18वां स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में साउथ कैंपस के निदेशक प्रोफेसर दीपक पेंटल के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस मौके पर पेंटल ने निदेशालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सरसों प्रजनन कार्यक्रम में सुधार करने के अलावा उत्पादन क्षमता वाली संकर किस्मों का विकास करना होगा।

उन्होंने कहा कि अधिक तेल अंश वाली संकर किस्में विकसित करके तिलहन उत्पादन में क्रांति लाई जा सकती है। इसके लिए किसानों को जागरूक होना पड़ेगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक निदेशक डॉ जेएस संधु ने कहा कि हमें अपनी उपलब्धियों का विश्लेषण करना चाहिए।

इसके साथ ही राष्ट्रीय आवश्यकता को देखते तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र अजमेर के निदेशक डॉ. एमएम अनवर ने विभिन्न संस्थानों में आपसी सामंजस्य से अनुसंधान करने तथा निजी एवं सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. एसएस बंगा ने भी विचार व्यक्त किए।

निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह ने अनुसंधान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह के दौरान निदेशालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विजयवीर सिंह, संजय शर्मा, रामनारायण, बीना शर्मा, लालाराम को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एसके झा और डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने किया।

अमर उजाला 21 अक्टूबर 2011

सरसों अनुसंधान निदेशालय ने मनाया 18वां स्थापना दिवस

संकर किस्म का विकास जरूरी-पटेल

भरतपुर। वर्तमान समय में सरसों प्रजनन कार्यक्रम में सुधार करते हुए उच्च उत्पादन क्षमता वाली संकर किस्मों का विकास आज वर्तमान की आवश्यकता है। यह बात सरसों अनुसंधान निदेशालय के 18वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैम्पस के सीजीएमपी के निदेशक प्रो. दीपक पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि संकर किस्मों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए शस्य क्रियाओं में भी आवश्यकतानुसार बदलाव जरूरी है। किसानों को बदलाव के साथ सम्पूर्ण तकनीकी जानकारी के साथ-साथ अच्छे बीज की उपलब्धता जरूरी है। तभी उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है। उनका कहना था आनुवांशिक रुपांतरण तकनीक के माध्यम से अधिक उपज, रोग सहनशील प्रतिरोधी एवं अधिक तेल अंश वाली संकर किस्में विकसित करके तिलहन उत्पादन में क्रांति लाई जा सकती है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक (बीज) डॉ. जे.एस. संधु ने कहा कि सरसों उत्पादन में स्थिरता आ रही है। हमें राष्ट्रीय आवश्यकता का करीब आधा हिस्सा खाद्य तेलों का आयात करना पड़ रहा है। तिलहन उत्पादन बढ़ोतरी की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रतिरोधी किस्मों को विकसित करना आज के समय की मांग है। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक डॉ. एम.एम. अनवर, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय प्रो. डॉ. एस.एस. बग्गा ने सरसों अनुसंधान व निजी तथा सार्वजनिक भागीदारी से मिलकर पर्याप्त मात्रा में उत्तम गुणवत्ता का बीज तैयार करने की बात कही। भारतीय राई सरसों समन्वित अनुसंधान परियोजना के पूर्व परियोजना सम्न्वयक डॉ. जे.एस. यादव ने कहा कि केन्द्र ने अपनी स्थापना के शुरुआती समय में कम सुविधाओं के साथ कार्य शुरू किया था, आज यहां अन्तरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशालाएं एवं सुविधाएं है। निदेशालय के निदेशक डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि 20 अक्टूबर 1993 को केन्द्र की स्थापना की गई थी, उन्होंने केन्द्र के अनुसंधान कार्यों व किसानों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कृषि विभाग, केवीके व अनेक निजी संस्थाओं के प्रतिनिधि-अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर निदेशालय के प्रकाशन सिद्धार्थ सरसों संदेश, सरसों से अधिक उत्पादन के लिए उन्नतशील कृषि विधियां, सरसों अनुसंधान निदेशालय एक दृष्टि का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के अनेक वैज्ञानिक भी अपनी श्रेष्ठ सेवाओं के लिए सम्मानित हुए।

हलधर टाइम्स । भरतपुर - 6 नवम्बर 2011

राजस्थान पत्रिका 22 अक्टूबर 2011

ताजा खबरों और फोटोग्राफ्स
के लिए लॉगऑन करें।
patrika.com

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

भरतपुर. सरसों अनुसंधान निदेशालय के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर बच्चों ने फिल्मी व लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य किया। समारोह में मुख्य अतिथि दिल्ली विवि के पूर्व कुलपति डा.दीपक पेंटल तथा केन्द्र निदेशक डा.जे.एस.चौहान थे। समारोह में कथक गुरू बिरजू के गाने 'मुरली मनोहर' पर कथक नृत्यागंना कु.इशिता सिंह ने कुनिका गोयल के साथ कथक किया। बच्चों को पुरस्कृत किया गया।